मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय:उदयपुर
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY: UDAIPUR

No. MLSU/Secrecy/2021/ 1837

Dated: 26-02.2021

आदेश

विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिषद बैठक दिनांक 14.9.2020 के निर्णय संख्या–एस.3 के अन्तर्गत सत्र 2020–21 से विश्वविद्यालय में संचालित सभी प्रकार के पाठ्यक्रमों वार्षिक/सेमेस्टर पाठ्यक्रम के सभी संकायों में कमबद्ध रूप से नियमित छात्रों के लिए प्रायोगिक विषय के तौर पर अनिवार्य प्रश्नपत्र के रूप में एक प्रश्नपत्र आनन्दम "AANANDAM" और जोड़ा गया है, उक्त प्रश्नपत्र के प्राप्तांकों वार्षिक पाठ्यक्रमों में 100 अंक प्रत्येक वर्ष तथा सेमेस्टर पाठ्यक्रम में 50 अंक प्रति सेमेस्टर को संबंधित छात्रों की डिग्री कें डिविजन में जोडा जाकर परिणाम घोषित किया जाऐगा ।

उक्त पाठ्यक्रम इस वर्ष 2021 में आयोजित होने वाली नियमित कक्षाओं के प्रथम वर्ष/प्रिवियस तथा सेमेस्टर पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में इस वर्ष 2021 के परीक्षा आयोजन हेतु निम्नानुसार प्रश्नपत्र कोड संख्या लागू रहेगी :–

S. No.	Year/Semester	U.G. Course Paper Code	P.G. Course Paper Code	U.G. Semester Paper Code	P.G. Semester Paper Code
1	FirstYear/Previous/First Semester	1001	4001	B1Anandam--01	M1Anandam-01
2-	SecondYear/Final/Second Semester	2001	5001	B2Anandam-02	M2Anandam-02
3	Third Year/Third Semester	3001	–	B3Anandam-03	M3Anandam-03
4	Fourth Semester	----	-----	B4Anandam-04	M4Anandam-04
5	Fifth Semester	---	---	B5Anandam--05	M5Anandam-05
6	Sixth Semester	--	--	B6Anandam--06	M6Anandam-06
7	Seventh Semester	---	--	B7Anandam--07	---
8	Eight Semester	--	---	B8Anandam-08	----
9	Ninth Semester	--	--	B9Anandam-09	----
10	Tenth Semester	--	--	B10Anandam-10	---

उपरोक्त संदर्भित पाठ्यक्रम की सम्पुर्ण रूपरेखा एवं कार्यप्रणाली विश्वविद्यालय वेबसाईड पर उपलब्ध है। अतः तद्नूसार कार्यवाही अमल में लाई जावें ।

संलग्नः– संक्षिप्त रूपरेखा,

*Note:-स्नातक/स्नातकोत्तर विधि,फार्मेसी तथा शिक्षा संकाय में उक्त पाठ्यक्रम को जोड़ने की स्वीकृति संबंधित नियामक संस्थाओं के माध्यम से विभागीय स्तर से अनुमति प्राप्त होने के उपरान्त लागू किया जायेगा।

परीक्षा नियन्त्रक

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :–

1. निजि सचिव, माननीय कुलपति महोदय, मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।
2. कुल सचिव महोदय, मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।
3. उप कुल सचिव महोदय, अग्रिम शैक्षणिक परिषद मिटिंग में पालनार्थ, मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।
4. समस्त अधिष्ठाता/प्राचार्य/विभागाध्यक्ष..... ।
5. संकायाध्यक्ष/अधिष्ठाता/विभागाध्यक्ष , शिक्षा संकाय, विधि महाविद्यालय, फार्मेसी विभाग के पास अग्रिम कार्यवाही हेतु।
6. आई.टी. आई. प्रतिनिधि, उपरोक्तानुसार अग्रिम कार्यवाही हेतु।
7. परिणाम प्रभारी, मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।
8. अनुभाग अधिकारी, परीक्षा /गोपनीय विभाग मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर।
9. हेल्प लाईन, विश्वविद्यालय वेबसाईट पर प्रदर्शित करावें ।

सहायक कलसचिव

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,उदयपुर
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY : UDAIPUR

No.F. AC/M/MLSU/2020/ 7156 Dated 24/11/2020

ORDER

As per the resulation No. 5/3 of the Academic Council at its meeting held on 14.09.2020, the Vice Chancellor is pleased to approve the guidelines for ANANDAM Course. Kindly ensure the implantation of ANANDAM Coures as per the guidelines issued by the Secretary, Department of Higher & Technical Education Secretariat, Jaipur vide letter dated 03-11-2020 & 06-11-2020.

REGISTRAR

Copy to :-

1. Secretary, Department of Higher & Technical Education Secretariat, Jaipur in Compliance of your letter No. 03-11-2020 & 06-11-2020.
2. Joint Secretary, Higher Education, Gr- IV, Govt. of Rajasthan, Jaipur in Compliance of your letter No. 18-08-2020
3. All Deans/ All Heads/ Director..... MLSU, Udaipur the guidelines already sent to you vide this office letter No. 7113 dated 11-11-2020.
4. All Principal of affiliated colleges with the request kindly ensure the implantation of ANANDAM Course as per the enclosed guidelines.
5. Coordinator, Internet Centre, MLSU, Udaipur
6. Incharge, Media Cell, MLSU, Udaipur
7. P.S. to Vice Chancellor, MLSU, Udaipur
8. Meeting Section to report in next A.C. Meeting
9. Guard file.

DY. REGISTRAR

MOST URGENT

Office of the Secretary, Department of Higher and Technical Education
Secretariat, Jaipur

No.: 18(2)Edu-4/2014 Pt. Jaipur, Date: 18.02.2021

To,

Dear All,

Subject: 1. Reminder: Urgent information regarding status of Anandam subject and its implementation.

2. Clarification regarding inclusion of Anandam subject in the examination form for the session 2020-21.

Reference: Vide letter from the Office of the Secretary, Higher, Technical and Sanskrit Education, Dated 11.11.2020, 23/11/2020 and 24/12/2020.

Madam/ Sir,

With reference to the above three letters, it has come to my notice that some of the Universities have not complied with the directions and guidelines sent from time to time regarding implementation of Anandam subject in the Universities and affiliated colleges. You are reminded again that Anandam is a credited subject. The marks/grades of which will be displayed in the mark sheets of students. The subject has been introduced with the aim of bringing about positive social change by engaging students in community work and giving students opportunities innovation and leadership. However many of the Universities have neither updated the undersigned regarding implementation of Anandam and nor have they included the subject in the examination forms being filled for the session 2020-21.

You are hereby requested to immediately send the following :

1. The order of endorsement of Anandam subject in your the respective academic councils.

2. Information whether Anandam subject has been included in the examination form for the session 2020-21.

Non Collegiate students may be exempted from Anandam subject in view of the problems in its execution.

With the hopes that all the Universities will be contributing their bit in our concerted efforts to bring about a silent revolution aimed at building a healthier and happier society.

Best wishes

(Shuchi Sharma)
Secretary

Copy to:

1. Vice Chancellors of All State funded Universities of Rajasthan.
2. Commissioner, College Education, Rajasthan, Jaipur
3. Joint Secretary, Department of Technical Education, Secretariat, Jaipur.
4. Joint Secretary, Department of Higher Education (Gr.-4), Secretariat, Jaipur.
5. Director, Directorate of Technical Education, Jodhpur
6. Director, Directorate of Sanskrit Education, Jodhpur
7. Registrars of Universities of Rajasthan.

Secretary

नीरज शर्मा
निदेशक

आनंद एवं आरोग्य केन्द्र
मोहनलालसुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर–313001

ईमेल– neeraj.sanskrit@gmail.com Mob. +91-9414292699

MLSU/Anandam/2021/01 दि. 18.2.21

परीक्षा नियंत्रक
मो.ला.सु. विश्वविद्यालय
उदयपुर

विषय : आनन्दम् पाठयक्रम की परीक्षा–योजना।

महोदय,
राज्य सरकार शिक्षाविभाग (ग्रुप 4)के निर्देशानुसार अकादमिक परिषद की बैठक दिनांक 14.9.2020 के प्रस्ताव सं. 5/3 की अनुपालना में आनन्दम पाठयक्रम को लागू किया जा चुका है। संभी संकायों की परीक्षा योजना में यह लागू रहेगा। इस वर्ष प्रथम वर्ष और प्रथम सेमेस्टर में यह लागू होगा जो उत्तरोत्तर आगामी वर्षों में भी चलेगा। स्नातक, स्नातकोत्तर स्वयंपाठी एवं नियमित वार्षिक योजना में 100 अंक तथा समेस्टर में यह 50अंक (2क्रेडिट) का प्रयोगिक प्रश्नपत्र रहेगा। कृपया परीक्षा आवेदनपत्र और अंक तालिकाओं में तदनुसार इसे संयोजित कराने का कष्ट करावें।
आभार।

भवदीय

प्रो.नीरज शर्मा
निदेशक
आनन्द एवं आरोग्य केन्द्र
मो.ला.सु विश्वविद्यालय, उदयपुर

आनन्दम विषय पर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्नः 1 आनन्दम क्या है ?

उत्तरः आनन्दम एक आवश्यक विषय है जिसमें प्रत्येक छात्र को संलग्न होना पड़ेगा।

प्रश्नः 2 क्या यह सभी कक्षा के छात्रों पर लागू है ?

उत्तरः वर्तमान सत्र 2020–21 में आंकलन हेतु यह केवल स्नातक (UG) स्तर पर प्रथम वर्ष के छात्रों और स्नातकोत्तर (PG) स्तर पर पूवार्द्ध के छात्रों पर लागू होगा।

प्रश्नः 3 क्या अन्य कक्षाओं के छात्रों को भी आनंदम विषय पढ़ना पड़ेगा ?

उत्तरः अन्य कक्षाएं जैसे द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष, तथा पीजी उत्तरार्द्ध के छात्रों को भी आनंदम विषय संबंधी गतिविधियों में संलग्न होना पड़ेगा। वे छात्र जो स्वेच्छा से सामाजिक हित के कार्य में योगदान देगें उन्हें उनकी गतिविधियों के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र दिया जाएगा जो उनके कैरियर की सम्भावनाओं को सुदृढ़ करेगा।

प्रश्नः 4 इस नए विषय का उद्देश्य क्या है ?

उत्तरः इसका उद्देश्य छात्रों को समाज से जुड़कर संवाद करने, समाज की समस्याओं को समझने एवं सुलझाने के लिए उत्साहित करना है तथा छात्रों को देने और साझा करने की खुशी के प्रति संवेदनशील बनाना है जिसके प्रति वे असंवेदनशील हो गये हैं। इससे जुड़कर छात्रों को अपनी रचनात्मकता एवं संवेदनशीलता प्रकट करने का सुअवसर मिलेगा।

प्रश्नः 5 यह विषय छात्रों की मदद कैसे करेगा ?

उत्तरः यह विषय पूरी तरह से देने और साझा करने की खुशी पर आधारित है। यह न केवल छात्रों के व्यक्तिगत, सामाजिक, नैतिक, शैक्षणिक और सर्वांगीण विकास के लिए बहुत प्रभावी साबित होगा बल्कि उनके नेतृत्व गुण को निखारेगा जिससे उनकी कैरियर संभावनाएं और प्रबल होंगी।

प्रश्नः 6 आनंदम विषय का सिलेब्स क्या है ?

उत्तरः आनंदम विषय का सम्पूर्ण सिलेब्स, छात्र द्वारा व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर किये गये अच्छे कार्य है।

प्रश्नः 7 इस विषय के अधिकतम अंक क्या है ?

उत्तरः 100 अंक

प्रश्नः 8 क्या इस विषय की लिखित परीक्षा भी होगी ?

उत्तरः नहीं, कुल मूल्यांकन व्यक्तिगत गतिविधियों और समूह परियोजनाओं पर आधारित होगा।

प्रश्नः 9 क्या विषय में प्राप्त अंक मार्कशीट में दर्शाए जायेंगे ?

उत्तरः हां, यह एक क्रेडिटेड विषय है। मार्क्स/ग्रेड दोनों को विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार मार्क शीट में दर्शाया जाएगा।

प्रश्नः 10 क्या विषय में प्राप्त अंक/ग्रेड कुल प्रतिशत को प्रभावित करेंगे ?

उत्तरः हां, इस विषय के अंकों को अन्य तीन विषय के अंकों के साथ जोड़ा जाएगा।

प्रश्नः 11 आनंदम का शुल्क क्या है ?

उत्तरः महाविद्यालय स्तर पर आनंदन के लिए कोई शुल्क नहीं है। यह एक प्रायोगिक विषय (प्रैक्टिकल विषय) है। जिसके लिए विश्वविद्यालय नियमानुसार प्रायोगिक शुल्क लिया जायेगा।

"A"

प्रश्नः 12 इस विषय के तहत छात्र को किस तरह की गतिविधियां करनी होगी ?

उत्तरः प्रत्येक विद्यार्थी को दो प्रकार की गतिविधियां करनी होंगीः–

1. व्यक्तिगत गतिविधियां 2. समूह गतिविधियां

प्रश्नः 13 व्यक्तिगत गतिविधि से क्या अभिप्राय है ?

उत्तरः इसका अभिप्राय विद्यार्थी द्वारा प्रतिदिन किसी समाज हित/जरूरतमंद व्यक्ति के लिए कुछ अच्छा कार्य करना है।

प्रश्नः 14 व्यक्तिगत गतिविधि कैसे दर्ज की जाएगी ?

उत्तरः प्रत्येक विद्यार्थी को एक दैनिक डायरी रखनी होगी जिसमें वह अपने द्वारा किये गये दैनिक अच्छे कार्य को रिकॉर्ड करेगा। तथा समूह प्रोजेक्ट रिपोर्ट के साथ इसे मेंटर के पास जमा करवाना होगा।

प्रश्नः 15 समूह गतिविधि से क्या अभिप्राय है ?

उत्तरः समूह गतिविधि का मतलब 8 से 10 छात्रों के समूह द्वारा समाज, विशेष रूप से, जरूरतमंद लोगों को लाभ पहुंचाने वाली परियोजना को अपनाना है।

प्रश्नः 16 एक छात्र समूह को कितने प्रोजेक्ट पूरे करने होंगे ?

उत्तरः सेमेस्टर योजना में छात्रों को प्रति सेमेस्टर एक (01) समूह सामुदायिक सेवा परियोजना पूरी करनी होगी तथा वार्षिक योजना में छात्रों को प्रतिवर्ष एक (01) परियोजना पूरी करनी होगी।

प्रश्नः 17 आनंदम दिवस क्या है ?

उत्तरः आनंदम दिवस वह दिन है जो हर महीने के अंतिम सप्ताह में मनाया जाएगा। इस दिन सभी छात्र समूह अपनी परियोजनाओं की प्रगति पोस्टर इत्यादि के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे और 'देने की खुशी' के अपने अनुभव साझा करेंगे।

प्रश्नः 18 आनंदम के तहत संचालित गतिविधियों के मूल्यांकन का मापदंड क्या होगा ?

उत्तरः व्यक्तिगत और समूह स्तर पर छात्रों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का मूल्यांकन निम्नानुसार सेमेस्टर प्रणाली में एक (01) परियोजना प्रति सेमेस्टर तथा वार्षिक प्रणाली में एक (01) परियोजना पर आधारित होगा

प्रति सेमेस्टर × 1 परियोजना =50 अंक

वार्षिक × 1 परियोजना = 100 अंक

क्र.सं.	मापदण्ड	सेमेस्टर पद्धति में निर्धारित अंक (प्रति सेमेस्टर)	वार्षिक पद्धति में निर्धारित अंक
1	मेंटर को प्रस्तुत दैनिक डायरी	05	10
2	परियोजना की समरेखा	10	20
3	आनंदम दिवस पर उपस्थिति व भागीदारी	10	20
4	परियोजना एवं उसकी रिपोर्ट (प्रोजेक्ट रिपोर्ट मूल्यांकन के लिए नीचे दी गयी टेबल देखें)	25	50
कुल अंक		50	100

प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मूल्यांकन का आधार		
क्र.सं.	मापदण्ड	पूर्णांक 50
1	छात्र समूह द्वारा अपनाए गये प्रोजेक्ट की गतिविधियों के वीडियो	10
2	सामाजिक गतिविधियों में छात्रों का योगदान एवं सहभागिता	10
3	समस्याओं का निस्तारण, चुनौतीपूर्ण मसलों पर कार्य और रचनात्मकता	30

प्रश्नः 19 क्या व्यक्तिगत गतिविधियों की एक सुझाव सूची है ?

उत्तरः व्यक्तिगत गतिविधियों की सुझाव सूची प्रत्येक महाविद्यालय को प्रेषित कर दी गयी है।

प्रश्नः 20 समूह गतिविधियों की एक सुझाव सूची है ?

उत्तरः समूह गतिविधियों की सुझाव सूची प्रत्येक महाविद्यालय को प्रेषित कर दी गयी है।

U.G. Paper code :- 1001
P.G. Paper code :- 4001

General Guidelines for Anandam Subject

1. "Anandam" is a mandatory and credited subject. The grades/Marks of which will be added to calculate the aggregate percentage of marks of the students (Refer to slide no. 6 of the PPT of Mrs. Shuchi Sharma, Secretary Higher Education). The marks will be reported in the Mark sheet and given full weight age.
2. Principals of all Colleges should ensure that the "Anandam subject" period of 30 minutes is displayed in the College Timetables.
3. This course applies only to the first year and PG (previous) classes in the current session 2020-21.
4. From the next session, that is 2021-22, it will be carried forward to the next class and so on.
5. In the Annual Scheme the students will have to submit one (01) project annually. Students of the Semester Scheme will have to submit one (01) project per semester.
6. The chosen projects should be such that can run for six months(one semester) and for the entire session in the annual scheme (Refer to slides 14 and 15 for suggestions regarding projects that can be taken up.)

   Mentors can adopt a colony/area/institute and guide the student groups under their mentorship to take up different issues like literacy/hygiene/ health/plantation etc in the same area.

   Student groups can work on the same topic of social benefit but the Mentors have to ensure that the work of each student group impacts different groups of beneficiaries.

   Some projects like making apps/providing computer literacy to poor students for example may require more time to show results. In such projects the role of the Mentors will be very crucial as they will determine the impact factor, number of beneficiaries and authenticity of the project. Only then can the Mentors allow the project to be carried forward throughout the session or the next semester as the case may be.
7. The synopsis of proposed projects which the student groups will undertake have to be shared urgently in the Google Drive of their new Anandam Gmail IDs created by the colleges in the enclosed format (no.1).
8. Colleges have to ensure that Project Assessment Committees at the college level (PAC)have to be constituted to assess the projects in which the students are engaged (Refer to slide no. 13 of the PPT of Mrs. Shuchi Sharma, Secretary Higher Education)

9. Principal have to ensure that students of 2nd year, 3rd year and PG final also maintain daily diaries of the acts of goodness done by them and volunteer to undertake group projects for this they will be given Certificates of Appreciation which will enhance their future career prospects.

10. Non Collegiate students will be exempted from submission for daily diaries but they will have to submit one (01) Project Report of the work done by them according to the date fixed by their examination centre.

    The Project Reports of Non Collegiate students will be submitted in hard copy to the examination Centre wherein they will be assessed by the College faculty members. Ananadam is a practical subject and accordingly fees for the same may be charged as per rules from the Non Collegiate students.

11. 'Anandam' is entirely an exercise to develop empathetic understanding of society among the students and inculcate the habit of sharing happiness and positivity in society. The purpose of introducing Anandam in the curriculum is to develop leadership qualities among the youth which will ultimately build a mentally happy and healthy society. The Mentors should therefore encourage students to do their best. The assessment of the projects also should be done in all fairness and without favour or prejudice. No student should be declared "Failed" in the work done by him/her.

12. At the end of the session exemplary social work of students, Mentors & Principals will be given Certificates of Appreciation.

13. All data and information like synopsis of Projects undertaken, Project reports, and month end reports have to be shared online ONLY. Hard copies will not be entertained.

आनन्दम विषय संबंधी दिशा–निर्देश

1. "आनंदम" विषय पूर्णतया अनिवार्य एवं आकलित विषय (पाठ्यक्रम) है। विद्यार्थियों के अंकों की कुल प्रतिशत की गणना करने के लिए आनंदम विषय में प्राप्त अंक/ग्रेड़ जोडें जाएंगे। (श्रीमती शुचि शर्मा, सचिव उच्च शिक्षा की पीपीटी स्लाइड संख्या 06 का संदर्भ लें।) अंकों को मार्क शीट में प्रदर्शित किया जाएगा और पूर्ण वेटेज दिया जाएगा।
2. सभी महाविद्यालय के प्राचार्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कॉलेज टाइमटेबल में आनंदम विषय का 30 मिनट का कालांश प्रदर्शित किया गया है।
3. यह पाठ्यक्रम वर्तमान सत्र 2020–21 में केवल स्नातक प्रथम वर्ष और स्नातकोत्तर पूवार्द्ध कक्षाओं के लिए लागू होगा।
4. अगले सत्र, 2021–22 से यह अगली कक्षा में उत्तरोत्तर लागू होता रहेगा।
5. वार्षिक पद्धति के अंतर्गत विद्यार्थियों को एक (01) प्रोजेक्ट सत्र के अंत में जमा करवाना होगा। सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रति सेमेस्टर एक (01) प्रोजेक्ट जमा करवाना होगा।
6.. चुनी गयी परियोजनाएं ऐसी होनी चाहिए जो छह महीने (एक सेमेस्टर) अथवा वार्षिक पद्धति में एक सत्र के लिए चल सके। (प्रोजेक्ट संबंधी सुझावों के लिए श्रीमती शुचि शर्मा, सचिव उच्च शिक्षा की पीपीटी का 14 और 15 का संदर्भ लें।)

मेंटर्स किसी भी कॉलोनी/क्षेत्र/संस्था को अपनाकर विद्यार्थी समूहों को वहां के अलग–अलग मुद्दे जैसे साक्षरता/स्वच्छता/स्वास्थ्य/वृक्षारोपण आदि के लिए मार्गदर्शन दे सकते है।

कई छात्र समूह सामाजिक लाभ प्रदान करने वाले किसी एक विषय पर भी काम कर सकते है। ऐसी स्थिति में मेंटर्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक छात्र समूह द्वारा किया गया कार्य अलग–अलग लोगों के समूह को लाभांवित कर रहा है।

कुछ योजनाएं जिन्हें पूरा करने तथा परिणाम प्राप्त होने में अधिक समय की आवश्यकता होती है। जैसे कि ऐप बनाना/गरीब बच्चों को कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान करना आदि। ऐसी योजनाओं में मेंटर्स का भूमिका अहम होगी। वे योजना का पूर्ण प्रभाव, लाभार्थियों की संख्या तथा योजना की प्रमाणिकता को ध्यान में रखते हुए ही उस योजना पर पूरे सैमेस्टर अथवा सत्र पर्यन्त योजना पर काम करने की अनुमति देगें।

7. विद्यार्थी समूहों द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं की रूपरेखा को संलग्न प्रारूप संख्या 1 में कॉलेजों द्वारा बनायी गयी अपनी नयी आनंदम जी–मेल आई डी की गूगल ड्राइव में अनिवार्य रूप से साझा करना होगा।

8. कॉलेजों को यह सुनिश्चित करना है कि जिन परियोजनाओं के अंतर्गत विद्यार्थी कार्य कर रहे हैं . उनका मूल्यांकन करने के लिए महाविद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट असेसमेंट कमेटी (PAC) का गठन किया जाए। (श्रीमती शुचि शर्मा, सचिव उच्च शिक्षा की पीपीटी का 13 का संदर्भ लें।)

9. कॉलेज प्राचार्य यह सुनिश्चित करे कि द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध के विद्यार्थी भी प्रतिदिन डायरी में उनके द्वारा किये गये अच्छे कार्य को लिखे तथा समूह गतिविधियों में स्वेच्छा से कार्य करे। इसके लिए उन्हें प्रशंसा प्रमाण–पत्र दिये जायेंगे जिससे उनकी कैरियर सम्भावनाएं सुदृढ होंगी।

10. स्वयंपाठी विद्यार्थियों को डायरी के कार्य से मुक्त रखा गया है। उन्हें अपने द्वारा किये गये सामाजिक कार्य की एक (01) प्रोजक्ट रिपोर्ट अपने परीक्षा केन्द्र द्वारा नियत तिथि पर ऑफलाइन (हार्ड कॉपी) जमा करवानी होगी।
स्वंयपाठी विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट रिपोर्ट का मूल्यांकन संबंधित कॉलेज संकाय द्वारा किया जायेगा आनंदन विषय प्रायोगिक (Practical Subject) है। अतः स्वंयपाठी विद्यार्थियों से नियमानुसार शुल्क लिया जाए।

11. आनंदम् पूर्णतया छात्र वर्ग में सामाजिक सोहाद्रता, प्रसन्नता एवं सकारात्मकता के संस्कार को पुनः स्थापित करने की दिशा में एक प्रयास है। आनंदम विषय को पाठ्यक्रम में इस उद्देश्य से शामिल किया गया ताकि विद्यार्थियों में नेतृत्वता के गुण विकसित किया जा सके जिससे अंततः एक स्वस्थ व प्रसन्न मानसिकता का समाज विकसित हो। मेंटर्स को छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना होगा। प्रोजेक्ट मूल्यांकन को पूर्णतया निष्पक्षता और पुर्वाग्रह अथवा अनुग्रह से करना होगा। किसी भी छात्र को उसके कार्य के लिए "अनुतीर्ण" नहीं किया जायेगा।

12. सत्र के अंत में चयनित छात्र मेंटर्स प्राचार्य को उल्लेखनीय सामाजिक कार्य के लिए प्रशंसा प्रमाण–पत्र दिये जायेगें।

13. सभी डेटा एवं सूचनाएं जैसे योजना की रूपरेखा, योजना की रिपोर्ट, माह अंत की रिपोर्ट आदि को केवल ऑनलाइन ही साझा करनी होगी। हार्ड कॉपी में साझा की गयी सूचना मान्य नहीं होगी।

.....

आनंद एवं आरोग्य केन्द्र
मोहनलालसुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर–313001

ईमेल– neeraj.sanskrit@gmail.com Mob. +91-9414292699

नीरज शर्मा
निदेशक

प्रत्रांक / मोलासुवि / आनन्दम् / 2021 / 03

दिनांक – 24.02.2021

माननीय कुलपति
मो.ला.सु. विश्वविद्यालय
उदयपुर

विषय : आनन्दम् शुल्क एवं डायरी प्रारूप।

महोदय,

राज्य सरकार के दिशा–निर्देश तथा विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् के प्रस्ताव के अनुसार वर्ष 2020.21 से आनन्दम् पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। आनन्दम् पाठ्यक्रम प्रयोगिक् पाठ्यक्रम है। इसकी सामूहिक गतिविधि के अन्तर्गत प्रस्तुत होने वाली परियोजना रिपोर्ट्स का मूल्यांकन कॉलेज स्तर पर किया जाएगा। परीक्षा आवेदनपत्र में भी यह प्रश्नपत्र अंकित होगा। राज्य सरकार से आनन्दम् योजना के सम्बन्ध में प्राप्त प्रश्नोत्तरी में विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा शुल्क लिए जाने का उल्लेख किया गया है। इस क्रम में आनन्दम् पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र हेतु सौ रूपये शुल्क लिया जाना प्रस्तावित है। इस राशि से ही छात्रों को प्रतिदिन अच्छाई के कार्य दर्ज करने के लिए आनन्दम् डायरी भी प्रदान की जाएगी। माननीय के द्वारा भी 18.02.2021 को आनन्दम् कार्यशाला में इस आशय का संकल्प व्यक्त किया गया है। उक्त डायरी का प्रारूप स्वीकृति हेतु सादर प्रस्तुत है। यह डायरी सेमेस्टर योजना हेतु 24 पृष्ठ तथा वार्षिक योजना हेतु 48 पृष्ठों की होगी। इसके आवरण पृष्ठ पर छात्रों का व्यक्तिगत विवरण, समूह विवरण, संविधान की उद्देशिका तथा मूलकर्त्तव्य तथा माननीय कुलपति का संदेश प्रकाशित होगा। अन्दर के पृष्ठों पर अच्छाई के दैनिक कार्य दर्ज होंगे।

कृपया एतदर्थ परीक्षानियत्रंक मो.ला.सु.वि.वि को निर्देशित करने का अनुग्रह करावें।

सादर।

COE
24-02-21

भवदीय

प्रो.नीरज शर्मा
निदेशक
आनन्द एवं आरोग्य केन्द्र
मो.ला.सु विश्वविद्यालय, उदयपुर

DR Exam
AR Secy

24/2/21